- विभिन्न आयु वर्ग के व्यक्तियों, जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों के लिए पानी तथा भोजन की उपलब्धता एवं घर तथा परिवेश में पानी के उपयोग का वर्णन करते हैं।
- मौखिक/लिखित/अन्य तरीकों से परिवार के सदस्यों की भूमिका, परिवार का प्रभाव (गुणों/लक्षणों/आदतों/व्यवहार) एवं साथ रहने की आवश्यकता का वर्णन करते हैं।
- समानताओं/असमानताओं (जैसे– रंग-रूप/रहने के स्थान/भोजन/आवागमन/पसंद-नापसंद/कोई अन्य लक्षण) के अनुसार वस्तुओं, पक्षियों, जंतुओं, लक्षणों, गतिविधियों को विभिन्न संवेदी अंगों के उपयोग द्वारा पहचान कर उनके समूह बनाते हैं।
- वर्तमान और पहले की (बड़ों के समय की) वस्तुओं और गतिविधियों (जैसे कपड़े/बर्तन/खेलों/लोगों द्वारा किए जाने वाले कार्यों) में अंतर करते हैं।
- चिह्नों द्वारा/संकेतों द्वारा/बोलकर सामान्य मानचित्रों (घर/कक्षा कक्ष/विद्यालय के) में दिशाओं, वस्तुओं/स्थानों की स्थितियों की पहचान करते हैं।
- दैनिक जीवन की गतिविधियों में वस्तुओं के गुणों का अनुमान लगाते हैं, मात्राओं का आकलन करते हैं तथा उनकी संकेतों एवं अमानक इकाइयों (बित्ता/चम्मच/मग आदि) द्वारा जाँच करते हैं।
- भ्रमण के दौरान विभिन्न तरीकों से वस्तुओं/गतिविधियों/स्थानों के अवलोकनों, अनुभवों, जानकारियों को रिकॉर्ड करते हैं तथा पैटर्नों (उदाहरण के लिए चंद्रमा के आकार, मौसम आदि) को बताते हैं।
- चित्र, डिज़ाइन, नमूनों (Motifs), मॉडलों, वस्तुओं से ऊपर से, सामने से और 'साइड' से दृश्यों, सरल मानचित्रों (कक्षाकक्ष, घर/विद्यालय के भागों के) और नारों तथा कविताओं आदि की रचना करते हैं।
- स्थानीय, भीतर तथा बाहर खेले जाने वाले खेलों के नियम तथा सामूहिक कार्यों का अवलोकन करते हैं।
- अच्छे-बुरे स्पर्श, जेंडर के संदर्भ में परिवार में कार्य/खेल/भोजन के संबंध में रूढ़िबद्धताओं पर; परिवार तथा विद्यालय में भोजन तथा पानी के दुरुपयोग / अपव्यय पर अपनी आवाज़ उठाते हैं।
- अपने आस-पास के पौधों, जंतुओं, बड़ों, विशेष आवश्यकताओं वालों तथा विविध पारिवारिक व्यवस्था (रंग-रूप, क्षमताओं, पसंद/नापसंद तथा भोजन तथा आश्रय संबंधी मूलभूत आवश्यकताओं की उपलब्धता में विविधता) के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हैं।

ENGLISH

The learner—

- recites poems individually/ in groups with correct pronounciation and intonation.
- performs in events such as role play/ skit in English with appropriate expressions
- reads aloud with appropriate pronunciation and pause
- reads small texts in English with comprehension i.e., identifies main idea, details and sequence and draws conclusions in English
- expresses orally her/his opinion/ understanding about the story and characters in the story, in English/ home language.
- responds appropriately to oral messages/ telephonic communication
- writes/types dictation of words/phrases/ sentences
- uses meaningful short sentences in English, orally and in writing.uses a variety of nouns, pronouns, adjectives and prepositions in context as compared to previous class
- distinguishes between simple past and simple present tenses
- identifies opposites like 'day/night', 'close-open', and such others
- uses punctuation such as question mark, full stop and capital letters appropriately
- reads printed scripts on the classroom walls: poems, posters, charts etc.
- writes 5-6 sentences in English on personal experiences/events using verbal or visual clues
- uses vocabulary related to subjects like Maths, EVS, relevant to class III.

सत्यमेव जयते

सीखने के प्रतिफल

कक्षा 3

राजस्थान प्रारम्भिक शिक्षा परिषद्

एस.आई.ई.आर.टी., उदयपुर

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

हिंदी

बच्चे —

- कही जा रही बात, कहानी, कविता आदि को ध्यान से समझते हुए सुनते और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं।
- कहानी, कविता आदि को उपयुक्त उतार-चढ़ाव, गति, प्रवाह और सही पुट के साथ सुनाते हैं।
- सुनी हुई रचनाओं की विषय-वस्तु, घटनाओं, पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं, प्रश्न पूछते हैं, अपनी प्रतिक्रिया देते हैं, राय बताते हैं/अपने तरीके से (कहानी, कविता आदि) अपनी भाषा में व्यक्त करते हैं।
- आस-पास होने वाली गतिविधियों/घटनाओं और विभिन्न स्थितियों में हुए अपने अनुभवों के बारे में बताते, बातचीत करते और प्रश्न पूछते हैं।
- कहानी, कविता अथवा अन्य सामग्री को समझते हुए उसमें अपनी कहानी/बात जोड़ते हैं।
- अलग-अलग तरह की रचनाओं/सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न पूछते हैं/अपनी राय देते हैं/ शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (मौखिक, सांकेतिक) देते हैं।
- अलग-अलग तरह की रचनाओं में आए नए शब्दों को संदर्भ में समझकर उनका अर्थ सुनिश्चित करते हैं।
- तरह-तरह की कहानियों, कविताओं/रचनाओं की भाषा की बारीकियों (जैसे– शब्दों की पुनरावृत्ति, संज्ञा, सर्वनाम, विभिन्न विराम-चिह्नों का प्रयोग आदि) की पहचान और प्रयोग करते हैं।
- अलग-अलग तरह की रचनाओं/सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न पूछते हैं/अपनी राय देते हैं/ शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं।
- स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत वर्तनी के प्रति सचेत होते हुए स्व-नियंत्रित लेखन (कनवैंशनल राइटिंग) करते हैं।
- विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में शब्दों के चुनाव, वाक्य संरचना और लेखन के स्वरूप (जैसे– दोस्त को पत्र लिखना, पत्रिका के संपादक को पत्र लिखना) को लेकर निर्णय लेते हुए लिखते हैं।
- विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में विराम- चिह्नों, जैसे– पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक चिह्न का सचेत इस्तेमाल करते हैं।
- अलग-अलग तरह की रचनाओं/सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर अपनी प्रतिक्रिया लिखते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (लिखित/ब्रेल लिपि आदि में) देते हैं।

गणित

बच्चे —

- तीन अंकों की संख्या के साथ कार्य करते हैं।
  - स्थानीय मान की मदद से 999 तक की संख्याओं को पढ़ते तथा लिखते हैं।
  - स्थानीय मान के आधार पर 999 तक की संख्याओं के मानों की तुलना करते हैं।
  - दैनिक जीवन की समस्याओं को हल करने में 3 अंकों की संख्याओं का जोड़ तथा घटा करते हैं (दोबारा समूह बनाकर या बिना बनाएँ) (जोड़ का मान 999 से अधिक न हो)।
  - 2, 3, 4, 5 तथा 10 के गुणन तथ्य बनाते हैं तथा दैनिक जीवन की परिस्थितियों में उनका उपयोग करते हैं।
  - विभिन्न दैनिक परिस्थितियों का आकलन कर उचित संक्रियाओं का उपयोग करते हैं।
  - भाग के तथ्यों को बराबर समूह में बाँटने और बारंबार घटाने की प्रक्रिया के रूप में समझते हैं। उदाहरण के लिए 12 ÷ 3 में 12 को 3-3 के समूह में बाँटने पर कुल समूहों की संख्या 4 होती है अथवा 12 में से 3 को बारंबार घटाने की प्रक्रिया जो कि 4 बार में संपन्न होती है।
- छोटी राशियों को समूह अथवा बनिा समूह के जोड़ते तथा घटाते हैं।
- मूल्य सूची तथा सामान्य बिल बनाते हैं।
- द्वि-आयामी आकृतियों की समझ अर्जित करते हैं।
  - कागज़ को मोड़कर, डॉट ग्रिड पर, पेपर कटिंग द्वारा बनी तथा सरल रेखा से बनी द्वि-आयामी आकृतियों को पहचानते हैं।
  - द्वि-आयामी आकृतियों का वर्णन भुजाओं की संख्या, कोनों की संख्या (शीर्ष) तथा विकर्णों की संख्या के आधार पर करते हैं, जैसे
  - किताब के कवर की आकृति में 4 भुजा, 4 कोने तथा 2 विकर्ण होते हैं।
  - दिए गए क्षेत्र को एक आकृति के टाइल की सहायता से बिना कोई स्थान छोड़े भरते हैं।
- मानक इकाइयों, जैसे – सेंटीमीटर, मीटर का उपयोग कर लंबाइयों तथा दूरियों का अनुमान एवं मापन करते हैं। इसके साथ ही इकाइयों में संबंध की पहचान करते हैं।
- मानक इकाइयों ग्राम, किलोग्राम तथा साधारण तुला के उपयोग से वस्तुओं का भार मापते हैं।
- अमानक इकाइयों का प्रयोग कर विभिन्न बर्तनों की धारिता की तुलना करते हैं।
- दैनिक जीवन की स्थितियों में ग्राम, किलोग्राम मापों को जोड़ते और घटाते हैं।
- कैलेंडर पर एक विशेष दिन तथा तारीख को पहचानाते हैं।
- घड़ी का उपयोग करते हुए घंटे तक समय पढ़ते हैं।
- सरल आकृतियों तथा संख्याओं के पैटर्न का विस्तार करते हैं।
- टेली चिह्न का प्रयोग करते हुए आँकड़ों का अभिलेखन करते हैं तथा उनको चित्रालेख के रूप में प्रस्तुति कर निष्कर्ष निकालते हैं।

पर्यावरण अध्ययन

बच्चे —

- सामान्य रूप से अवलोकन द्वारा पहचाने जाने वाले लक्षणों (आकार, रंग, बनावट, गंध) के आधार पर अपने आस-पास के परिवेश में उपलब्ध पेड़ों की पत्तियों, तनों एवं छाल को पहचानते हैं।
- अपने परिवेश में पाए जाने वाले जीव-जंतुओं को उनके सामान्य लक्षणों (जैसे- आवागमन, वे स्थान जहाँ वे पाए/रखे जाते हैं, भोजन की आदतों, उनकी ध्वनियों) के आधार पर पहचानते हैं।
- परिवार के सदस्यों के साथ अपने तथा उनके आपस के संबंधों को समझते हैं।

अपने घर/ विद्यालय /आस-पास की वस्तुओं, संकेतों (बर्तन, चूल्हे, यातायात, संप्रेषण के साधन साइनबोर्ड आदि), स्थानों, (विभिन्न प्रकार के घर/आश्रय, बस स्टैंड, पेट्रोल पंप आदि), गतिविधियों (लोगों के कार्यों, खाना बनाने की प्रक्रिया आदि) को पहचानते हैं।